



प्रेस विज्ञप्ति / Press Release

11 July / जुलाई, 2019

सिडबी - इक्विफैक्स न्यूजलेटर - माइक्रोफाइनेंस पल्स दर्शाता है की शीर्ष 10 राज्यों में बकाया संविभाग का 83% केन्द्रित है

SIDBI - Equifax newsletter – Microfinance Pulse shows top 10 states have 83% penetration of outstanding portfolio

भारत के अल्प वित्त घटक पर आधारित त्रैमासिक न्यूजलेटर माइक्रोफाइनेंस पल्स का दूसरा संस्करण सिडबी ने इक्विफैक्स के साथ मिलकर प्रकाशित किया है, जो दर्शाता है कि समग्र उद्योग के सकल ऋण संविभाग ₹1,78,547 करोड़ में शीर्ष 10 राज्यों का योगदान 83% रहा है। वित्त वर्ष 2019 में न्यूजलेटर ऋण संवितरण में 36% की वृद्धि दर्शाता है। न्यूजलेटर का दूसरा संस्करण 31 मार्च, 2019 तक अल्प वित्त उद्योग का पर्यावलोकन करता है।

SIDBI, in association with Equifax, brought out the second edition of Microfinance Pulse – a quarterly newsletter on microfinance sector in India which revealed that out of the overall industry's gross loan portfolio of ₹1,78,547 crore, 83% was contributed by top 10 states. The newsletter shows that there was a 36% growth in loan disbursement in FY19. The second edition of the newsletter provides an overview of the microfinance industry as of March 31, 2019.

न्यूजलेटर, जिसका उद्देश्य भारतीय अल्प वित्त उद्योग में रुझानों पर अंतर्दृष्टि प्रदान करना है और जिसमें संवितरण से लेकर अपचारिता, प्रगतिशील राज्य और शीर्ष ऋण श्रेणियों तक का लेखा जोखा है, प्रदर्शित करता है कि वित्त वर्ष 2019 में ₹20,000-30,000 की आकार श्रेणी में सर्वाधिक ऋण संवितरित किए गए। इसके बाद ₹30,000-40,000 की आकार श्रेणी का स्थान आता है; वित्त वर्ष 2018 से वित्त 2019 तक ₹ 50,000-60,000 श्रेणी में 67 % की उच्चतम वृद्धि दर्ज की गई है।

Highest number of loans were disbursed in ₹20,000 - ₹30,000 ticket size category in FY19, followed by ₹30,000-₹40,000 ticket size category while the ₹50,000-₹60,000 category saw the highest increase of 67% from FY18 to FY19, shows the newsletter which aims to provide insights on trends in the Indian microfinance industry – from disbursements to delinquencies to top growing states and top loan categories.

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि शीर्ष 10 राज्यों में पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के संविभाग का 34.7% योगदान है। शीर्ष राज्यों में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, बिहार और कर्नाटक, प्रत्येक राज्य का ₹15,000 करोड़ से अधिक का संविभाग है, जो एक अत्यधिक संकेंद्रित बाजार को दर्शाता है।

The report also states that West Bengal and Tamil Nadu contribute 34.7% of the portfolio among the top 10 states. Amongst the top states, West Bengal, Tamil Nadu, Bihar and Karnataka have portfolio of more than ₹15,000 crore each, indicating a highly concentrated market.

सिडबी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री मोहम्मद मुस्तफा, आईएएस ने कहा कि “इस तरह की व्यापक जानकारी के पहुँच की आसानी से माइक्रो-फाइनेंस क्षेत्र और वित्तीय प्रणाली में बेहतर जागरूकता और जोखिम प्रबंधन की सुविधा होगी। उन्होंने सिडबी और इक्विफैक्स टीम के संयुक्त प्रयास की सराहना की और कहा कि यह रिपोर्ट हितधारकों के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ बिंदु साबित होगी।”

Shri Mohammad Mustafa, IAS, Chairman & Managing Director, SIDBI said, “The ease of access of such comprehensive information will facilitate better awareness and risk management in Microfinance sector and financial system. He appreciated the joint effort of SIDBI and Equifax team and envisaged that this report will be an important reference point for stakeholders.”

इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक तथा इक्विफैक्स इंडिया और **मिडल ईस्ट और अफ्रीका** के कंट्री लीडर श्री के एम नानैया ने कहा कि “माइक्रो-फाइनेंस भारतीय वित्तीय सेवा उद्योग के लिए व्यवस्थात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। राज्यों में इसकी पैठ के रुझान को देखना दिलचस्प है और इसके बकाया संविभाग में शीर्ष 10 राज्यों की बाजार हिस्सेदारी 83% है। माइक्रो-फाइनेंस क्षेत्र में भविष्य की संभावनाओं पर दृष्टि डालने वाली रिपोर्ट के लिए सिडबी के साथ हुई इस साझेदारी से हम खुश हैं।”

Shri K.M. Nanaiah, Managing Director, Equifax Credit Information Services Ltd. and Country Leader, Equifax India and Middle East and Africa said, “Microfinance is systemically important to Indian financial services industry. It is interesting to see penetration trends across states with top 10 states having 83% market share of outstanding portfolio. We are glad to partner with SIDBI for a report that looks into the future prospects in the Microfinance sector.”

न्यूजलेटर की उल्लेखनीय बातें:

- ▶ यथा 31 मार्च, 2019, 6.40 करोड़ गरीब ग्राहकों को अल्प वित्त प्रदान किया है, जिनमें अधिकांशतः महिलाएँ हैं।
- ▶ अल्प-वित्त उद्योग ने वित्त वर्ष 2019 में वित्त वर्ष 2018 की तुलना में 40% की संवृद्धि हासिल की है।

- ▶ कुल संविभाग में गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी- सूक्ष्म वित्त संस्थान (एनबीएफसी-एमएफआई) संस्थाओं का योगदान 37% है, जो की अल्प वित्त में सर्वाधिक है तथा बैंक (34%) इसके बाद आते हैं।
- ▶ एनबीएफसी-एमएफआई के पास 2.55 करोड़ अनन्य सक्रिय खाते हैं, जो कि उद्योग में सर्वाधिक हैं। इसके अलावा, ऋण संवितरणों की संख्या में वित्त वर्ष 2019 में वित्त वर्ष 2018 की अपेक्षा 20% की वृद्धि हुई है, जबकि ऋण के औसत आकार में वर्षानुवर्ष आधार पर 13% की बढ़ोतरी के साथ यह ₹31,623 हो गया है।
- ▶ एनबीएफसी-एमएफआई संस्थाओं ने बकाया संविभाग में 40% प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो की उधारकर्ता वर्गों में सर्वाधिक है।

कुल 619 जिले जहां अल्प-वित्त की उपस्थिति है, उनमें से 30 जिलों से बकाया संविभाग का 25% आता है।

Key newsletter highlights:

- ▶ As of March 31, 2019, micro credit was extended to over 6.40 crore poor clients, mostly women.
- ▶ The microfinance industry portfolio in FY19 recorded a growth of 40% over FY18.
- ▶ Non-Banking Financial Company – Microfinance Institutions (NBFC-MFIs) account for 37% of total portfolio, having the largest share of portfolio in Micro-credit followed by Banks (34%).
- ▶ NBFC-MFIs have 2.55 crore unique live customers, which is the highest in the industry. Further, loan disbursement by volume saw 20% growth from FY18 to FY19, while an average ticket size per loan has increased by 13% Year-on-Year (Y-o-Y) to reach ₹31,623.
- ▶ NBFC-MFIs witnessed the highest growth in portfolio outstanding at 49% across lender categories.
- ▶ 25% of portfolio outstanding was contributed by top 30 districts out of a total of 619 districts with presence of microfinance.

सिडबी के बारे में: 1990 में अपने गठन के बाद से सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। चाहे ये पारंपरिक व घरेलू छोटे उद्यमी हों या उद्यमिता पिरामिड के निम्नतम स्तर के उद्यमी हों अथवा उच्चतम स्तर के ज्ञान-आधारित उद्यमी हों, सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अपने विभिन्न ऋण और विकासात्मक उपायों के माध्यम से भारी संख्या में सूक्ष्म और लघु उद्यमों के जीवन को छुआ है। अधिक जानकारी के लिये कृपया वेबसाइट <https://www.sidbi.in/> पर जाएँ।

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end

knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of a large number of Micro and Small Enterprises through various credit and developmental measures. For more information, please visit: <https://www.sidbi.in/>

मीडिया संपर्क: नीलाश्री बर्मन, मोबाइल: +91 8879760249, ई-मेल: neelasrib@sidbi.in

Media contact: Neelasri Barman, Mobile: +91 8879760249, E-mail: neelasrib@sidbi.in